

#### ग्रसाचारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
माधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 449 नई बिल्ली, बुहस्पतिबार, सन्तुबर 31, 1974/कार्निवः 9, 1896

No. 449 NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 31, 1974/KARTIKA 9, 1895

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के लग में रखा जा सर्व :

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

# MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (Department of Agriculture)

ر ہوں ہے ہے کہ دوس میں کا مدیر بو بہت میں میں میں میں دستین کے انتہاں میں میں اس میں میں میں اور انتہاں میں می از برای اور انتہاں اس میں انتہاں کو اسا میں دستین بیادہ انتہاں میں انتہاں کی انتہاں میں انتہاں میں انتہاں میں

### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st October 1974

S.O. 625(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) and in continuation of the Government of India Notification S.O. 488(E) and 500(E) published in the Gazette of India Extraordinary Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 13th August, 1974 and 21st August, 1974, the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by Section 3 of the said Act to make orders under clauses (c), (d), (f), (i) and (j) of sub-section (2) of that section shall, in relation to the Cattle fodder of any of the varieties specified in the Schedule annexed to the said Notification, be exercisable also by the Collectors of Ahmedabad, Amreli, Kutch, Kaira, Gandinagar, Jamnagar, Junagadh, Dangs, Panchmahals, Banaskantha, Broch, Bhavnagar, Mehsana, Rajkot, Broda, Sabarkantha, Surendranagar, Surat and Bulsar districts of Gujarat State in their respective districts upto the 31st December, 1974.

[No. 32-1/74-L.D.III] I. J. NAIDU, Addl. Secy.

## कृषि तथा सिचाई मंत्राक्षय

(कृषि विभाग)

श्रश्चिम् बना

नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 1974

का॰ मा॰ 625(म).—मानश्यक वस्तु ग्रिधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त मिक्तयों ा प्रयोग करते हुए तथा दिनांक 13 ग्रगस्त, 1974 व 21 ग्रगस्त, 1974 को भारत के ग्रसाधारण राजपत्त के भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड 2 में प्रकाशित हुई ग्रिधिमूचना संज्या 488(ई) व 500(ई) के कम में केन्द्रीय मरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि उकत ग्रिधिनियम की धारा 3 ग्रारा इस धारा की उ न्ध्राराएं (2) के खण्ड (ग), (घ), (च), (ज), (स) ग्रीर (न) के ग्रधीन ग्रादेश देने के लिए उसकी प्रदत्त मिनियां, इसने उपाबख ग्रनुसूची में वितिदिष्ट किसी भी किस्म के पणु चारे के सम्बन्ध में गुजरात राज्य के अहमदाबाद, ग्रमरेली, बच्छ, केरा, गांधानगर, जामनगर, ज्वागह, डांग, पंचमहल, बनासकांथा, बड़ौंच, भावनगर, मेहसाता, राजकीट, बड़ौंदा, सावरकाथा, सुरेन्द्रनगर, सुरत तथा बनसर जिस्न के कलन्दररें द्वारा भी ग्राने जिनो में 31 दिसम्बर, 1974 सक प्रयोक्तव्य होगी।

[सं० 32-1/74-एन ब्डी० 3] स्राई० जे० नायष्ठ, भ्रयर मचित्र ।